



हाथों की ताकत, देश की तरक्की, 'ऊर्जा सुरक्षा के नायक खनिक': दुहन



विशेष साक्षात्कार

दुनिया में व्याप्त ऊर्जा संकट को दृष्टिगत रखते हुए एस ईसीएल ने प्रधानमंत्री कार्यालय से मिले निर्देशानुसार काफी पहले से ही तैयारी करना प्रारंभ कर दिया था उसी का परिणाम है कि देश में कहीं भी बिजली का संकट नहीं है, कोयला उत्पादन को दस प्रतिशत तक बढ़ा लिया गया है और बढ़ रही उत्पादन लगत की परवाह किए बिना जनता पर बिना कोई अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाले हमारे खनिक देश के साथ कंधे से कंधा मिलाकर विकास कर रहे हैं।

खनिकों का समर्पण इस आपदा में काबिले तारीफ है और आज श्रम दिवस पर उन सारे श्रमिक साथियों का अभिनंदन करना चाहता हूँ। हम देश की सुरक्षा, आत्मनिर्भरता, और कर्तव्य पालन हेतु प्रतिबद्ध हैं। उक्त बातें एसईसीएल के सीएमडी श्री हरीश दुहन ने नवप्रदेश की टीम के साथ विशेष साक्षात्कार के दौरान कही। उन्होंने खनिकों के लिए किए जा रहे कल्याण कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि हम न केवल कार्यक्षेत्र में ही श्रमिक

का ध्यान रख रहे हैं बल्कि उनके घर परिवार और बच्चों को भी अपने साथ जोड़ रहे हैं, क्योंकि हमारा मानना है कि यदि खनिक का परिवार खुश है तो उसकी कार्यक्षमता ज्यादा बढ़ जाती है। उन्होंने बताया कि बच्चों को उच्च तकनीकी शिक्षा, उनकी रचि के अनुसार शिक्षकीय क्षमता में वृद्धि, एआई के बारे में विस्तृत ज्ञान, तथा स्कूलों में स्वच्छता, अच्छे वातावरण निर्माण में भी हम बहुत काम कर रहे हैं। खनिक परिवारों की गृहिणियों के लिए खेल और सांस्कृतिक मखोलस

का आयोजन किया जाता है जिसमें इन परिवारों की महिलाएं पारम्परिक भारतीय खेल, संगीत, गायन, वादन, के साथ साथ कुकिंग, तथा उनके छिपे हुए कला कौशल को शानदार अभिव्यक्ति प्रस्तुत करती हैं, यह सारे कार्यक्रम महिलाओं द्वारा गठित श्रद्धा महिला समिति के संयोजन में किए जा रहे हैं। कंपनी सीएसआर के तहत बिलासपुर के जिला प्रशासन और स्थानीय नेताओं की बेहद प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि शासन प्रशासन के सहयोग से हम एक बेहद

महत्वपूर्ण सामाजिक दायित्व का निर्वहन करने जा रहे हैं जिसके अन्तर्गत लगभग पांच एकड़ क्षेत्र में समाज के ऐसे बुजुर्गों के लिए आस्थाश्रम बनाया जाएगा जो अकेलेपन का शिकार हो रहे हैं उन्होंने बताया की छोटे परिवार होने के कारण अभिभावक परिवारों के पड़े लिखे बच्चे नौकरी की वजह से बाहर चले जाते हैं और उनके अभिभावक अकेले रह जाते हैं आस्थाश्रम में ऐसे परिवारों को सर्वसुविधा युक्त आवास के साथ सभी तरह सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी और

उनको एक नए सिरे से जिंदगी जीने का अवसर प्रदान किया जाएगा, इसके अलावा बिलासपुर के स्कूलों में स्मार्ट क्लासेस चलाने, स्किल डेवलपमेंट के कार्यक्रम करने, प्लास्टिक को एकत्र कर रिसाईकलींग करने, जंकफूड से हो रहे नुकसान से बच्चों को बचाने, दिव्यांग सक्षमता करने के कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। उन्होंने क्षेत्र के अस्पतालों में हार्डवेयर मटेन करने के लिए अनेक मशीनें तथा शहर सफाई के लिए स्वीपिंग मशीनें भी उपलब्ध कराये जाने की जानकारी दी।

सीएमडी हरीश दुहन ने अनेक प्रश्नों के जवाब में वैश्विक स्तर पर ऊर्जा की आपूर्ति को लेकर विस्तृत बातचीत की। प्रस्तुत है साक्षात्कार के प्रमुख अंश...

देश-दुनिया के वर्तमान हालात के मद्देनजर कोयला एक महत्वपूर्ण ऊर्जा स्रोत बनकर उभरा है। आप इसे कैसे देखते हैं?

-आज वैश्विक स्तर पर ऊर्जा आपूर्ति को लेकर अनिश्चितताएं बढ़ी हैं। ऐसे समय में भारत जैसे तेजी से विकसित हो रहे देश के लिए ऊर्जा सुरक्षा केवल एक आर्थिक विषय नहीं, बल्कि रणनीतिक आवश्यकता बन चुकी है। भारत की लगभग 70 प्रतिशत बिजली आज भी कोयले पर आधारित है, जो यह स्पष्ट करता है कि कोयला हमारी ऊर्जा व्यवस्था की रीढ़ है। जब हम वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखते हैं—विशेषकर हाल के भू-राजनीतिक घटनाक्रमों और ऊर्जा संकटों को—तो यह और स्पष्ट हो जाता है कि विश्वसनीय और स्थिर ऊर्जा स्रोतों का होना कितना आवश्यक है। कोयला इस दृष्टि से सबसे भरोसेमंद स्रोत के रूप में उभरा है। एसईसीएल और कोल इंडिया की पूरी टीम 24 घंटे 7 दिन इस दिशा में कार्यरत है कि देश की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति बिना किसी बाधा के होती रहे। लेकिन इस पूरी व्यवस्था की असली ताकत हमारे खनिक हैं। वे हर परिस्थिति—वाहे



नव प्रदेश विशेष

इसके अतिरिक्त, रेत और एफएमसी (First Mile Connectivity) के माध्यम से कोयला प्रेषण में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे लॉजिस्टिक्स की दक्षता में सुधार आया है। ये सभी उपलब्धियां इस बात का संकेत हैं कि

परिणामस्वरूप यह समग्र सफलता संभव हो सकी।

आज महिलाएं भी खनन क्षेत्र में आगे आ रही हैं। इस दिशा में एसईसीएल की क्या पहलें हैं?

-खनन क्षेत्र पारंपरिक रूप से पुरुष प्रधान रहा है, लेकिन अब यह धारणा तेजी से बदल रही है। एसईसीएल इस बदलाव का सक्रिय भागीदार है और महिलाओं को समान अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमने कोयला उद्योग में पहली बार पूर्णतः महिला संचालित औषधालय और महिला संचालित केंद्रीय भंडार इकाई स्थापित की है, जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। इसके साथ ही, 'प्रोजेक्ट चरा शक्ति' के माध्यम से हम उन महिलाओं को, जो भू-स्वामियों या आश्रितों के रूप में कंपनी में शामिल हो रही हैं, कोशल प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। उन्हें उनकी योग्यता के अनुरूप ऑपरेशनल और तकनीकी क्षेत्रों में कार्य करने के लिए तैयार किया जा रहा है। यह पहल केवल रोजगार तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और तकनीकी दक्षता विकसित करने का एक व्यापक प्रयास है, जो भविष्य में उद्योग के स्वरूप को भी बदलने में सहायक होगा।

खनिकों के कल्याण और सुरक्षा के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

-खनिकों की सुरक्षा और कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। आज खनन कार्य काफी हद तक

मशीनीकृत हो चुका है, जिससे न केवल उत्पादकता बढ़ी है, बल्कि कार्यस्थल की सुरक्षा भी बेहतर हुई है। ओपनकास्ट खदानों में सरफेस माइनर और भूमिगत खदानों में कटौन्यूअस माइनर जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है, जिससे जोखिम कम हुआ है। इसके अतिरिक्त, कोल इंडिया द्वारा कोर्पोरेट सैलरी पैकेज लागू किया गया है, जिसके तहत नियमित कर्मचारियों को 1 करोड़ और संविदा श्रमिकों को 40 लाख तक का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा कवरेज प्रदान किया जा रहा है। इस योजना में लाखों कर्मचारी शामिल हो चुके हैं और महत्वपूर्ण बात यह है कि इसके लिए कर्मचारियों को कोई प्रीमियम नहीं देना पड़ता। साथ ही, खदान दुर्घटना में मृत्यु की स्थिति में अनुग्रह राशि 15 लाख से बढ़ाकर 25 लाख कर दी गई है, जो सीधे आश्रितों को प्रदान की जाती है। यह दर्शाता है कि हम अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों की सुरक्षा और सम्मान के प्रति कितने प्रतिबद्ध हैं।

दृढ़गत कर्मचारियों के आश्रितों को रोजगार देना एक संवेदनशील विषय है। इस दिशा में क्या प्रयास हुए हैं?

-यह विषय हमारे लिए केवल एक प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है। हम समझते हैं कि किसी कर्मचारी के निधन के बाद उसके परिवार के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो सकता है। इस दिशा में हमारी एचआर टीम ने अत्यंत

सराहनीय कार्य किया है। पिछले वित्तीय वर्ष में एसईसीएल द्वारा 511 आश्रितों को रोजगार प्रदान किया गया, जो अब तक का सर्वोच्च स्तर है और पिछले वर्ष की तुलना में 24 प्रतिशत अधिक है। हमारा प्रयास केवल संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि प्रक्रिया को तेज और संवेदनशील बनाना भी है। उदाहरण के तौर पर, एक मामले में मात्र 18 दिनों के भीतर अनुकूपा नियुक्ति प्रदान की गई—यह हमारे सिस्टम की दक्षता और मानवीय दृष्टिकोण दोनों को दर्शाता है।

पर्यावरण और सतत विकास के क्षेत्र में एसईसीएल की क्या प्राथमिकताएं हैं?

-हम यह भी-भाति समझते हैं कि विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। इस दिशा में एसईसीएल

लाई गई। खदान जल के पुनः उपयोग के माध्यम से 3800 हेक्टेयर से अधिक भूमि में सिंचाई सुनिश्चित की गई, जो जल संरक्षण और सामुदायिक लाभ दोनों का उत्कृष्ट उदाहरण है। हमारा लक्ष्य है कि खनन गतिविधियों को पर्यावरणीय रूप से अधिक जिम्मेदार और टिकाऊ बनाया जाए।

भविष्य के लिए आपकी क्या प्राथमिकताएं हैं?

-भविष्य की दृष्टि से हम तकनीकी नवाचार, पारदर्शिता और ऊर्जा विविधीकरण पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। डिजिटल 'जेसी डिजिटल पहल' के माध्यम से हमने रियल टाइम मॉनिटरिंग और पारदर्शिता को सुदृढ़ किया है, जिसे राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया है। इसके अलावा, हम कोयला गैसीकरण, उच्च दक्षता ऊर्जा उत्पादन, कोयला



लगातार ठोस कदम उठा रहा है। पिछले वर्ष हमने 13.96 लाख पौधरोपण कर एक नया कौतिमान स्थापित किया और मियावाकी पद्धति के माध्यम से सफाई वृक्षारोपण को बढ़ावा दिया। इसके साथ ही, 43.78 मेगावाट सौर ऊर्जा क्षमता स्थापित कर लगभग 41,200 टन कार्बन उत्सर्जन में कमी

धुलाई, महत्वपूर्ण खनिजों की खोज और जल आधारित ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में भी आगे बढ़ रहे हैं। हमारा उद्देश्य केवल वर्तमान की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करना नहीं, बल्कि भविष्य के लिए एक मजबूत और टिकाऊ ऊर्जा ढांचा तैयार करना है।

माइनर्स डे के अवसर पर आप क्या संदेश देना चाहेंगे?

-माइनर्स डे हमारे लिए केवल एक औपचारिक अवसर नहीं, बल्कि उन सभी खनिकों के प्रति आभार व्यक्त करने का दिन है, जो अपने परिश्रम और समर्पण से देश को ऊर्जा प्रदान करते हैं। मैं सभी खनिकों को इस अवसर पर हृदय से शुभकामनाएं देता हूँ। आप ही वह शक्ति हैं, जो देश के हर घर को रोशन करती हैं और उद्योगों को गतिशील बनाए रखती हैं। एसईसीएल परिवार को आप पर गर्व है, और हमें विश्वास है कि आपके सहयोग और समर्पण से हम भविष्य में भी नई ऊंचाइयों को पार करेंगे और देश की ऊर्जा सुरक्षा को और मजबूत बनाएंगे।



वह मौसम की चुनौती हो या कार्य की कठिनाई—में निरंतर काम करते हुए देश को ऊर्जा प्रदान करने का दायित्व निभा रहे हैं। वास्तव में, वे देश की ऊर्जा सुरक्षा के सच्चे प्रहरी हैं।

हाल ही में समाप्त वित्तीय वर्ष 2025-26 के नतीजों को आप कैसे देखते हैं?

-वित्तीय वर्ष 2025-26 एसईसीएल के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित हुआ है। हमने कोल इंडिया की सहायक कंपनियों में एकमात्र कंपनी के रूप में उत्पादन, प्रेषण और ओवरबर्डन निष्कासन—तीनों प्रमुख मानकों में एक साथ सकारात्मक वृद्धि दर्ज की है, जो हमारी समग्र कार्यक्षमता को दर्शाता है। हमने 176.2 मिलियन टन कोयला उत्पादन किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 5.26 प्रतिशत अधिक है। इसी प्रकार, 178.6 मिलियन टन प्रेषण के साथ 4.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। ओवरबर्डन निष्कासन के क्षेत्र में भी हमने 364.3 मिलियन क्यूबिक मीटर का अब तक का सर्वोच्च स्तर हासिल किया।

एसईसीएल केवल उत्पादन ही नहीं, बल्कि संपूर्ण मूल्य श्रृंखला में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है।

इस सफलता के पीछे सबसे बड़ा कारण क्या रहा?

-किसी भी संगठन की सफलता उसके लोगों पर निर्भर करती है, और एसईसीएल के संदर्भ में यह पूरी तरह सत्य है। हमारे खनिकों, इंजीनियरों, प्रबंधकों और पूरे कार्यबल ने जिस समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया है, वही इस सफलता की आधारशिला है। इसके साथ ही, हमारी टीम ने भूमि अधिग्रहण के क्षेत्र में ऐतिहासिक प्रगति की है। वित्तीय वर्ष के दौरान 358 हेक्टेयर भूमि अर्जित की गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 86.7 प्रतिशत अधिक है। यह उपलब्धि भविष्य की परियोजनाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और उत्पादन वृद्धि की निरंतरता सुनिश्चित करती है। हमने तकनीकी नवाचार, बेहतर योजना, पारदर्शी प्रक्रियाओं और टीम वर्क पर विशेष ध्यान दिया, जिसके



सुविचार

दुनिया की सबसे अच्छी किताब हम खुद हैं। अपने आप को समझ लीजिये आपकी हर समस्या का समाधान हो जाएगा।

बंगाल के नतीजों पर सबकी नजर

4 मई को बंगाल सहित पांच राज्यों की विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने जा रहे हैं। वैसे तो ये सभी राज्य महत्वपूर्ण हैं लेकिन पूरे देश की नजर बंगाल की चुनाव परिणाम पर टिकी हुई है। इसकी एक वजह तो यह है कि बंगाल में आजादी के बाद से पहली बार रिकॉर्ड तोड़ मतदान हुआ। दोनों चरणों को मिलाकर पहली बार सर्वाधिक 92.47 प्रतिशत मतदान हुआ है। इसमें भी पुरुषों के मुकाबले महिलाओं ने डेढ़ प्रतिशत ज्यादा मतदान किया है। महिलाओं का यह डेढ़ प्रतिशत ज्यादा मतदान भी चुनावी नतीजों में बड़ा अंतर डालेगा। इसमें कोई दो मत नहीं कि बंगाल की महिलाओं की पहली पसंद समता बनजी ही रही है किन्तु केन्द्र की एनडीए सरकार ने महिला आरक्षण विधेयक से लेकर महिलाओं के उत्थान की दिशा में जो कारगर कदम उठाये हैं उससे बंगाल की महिला शक्ति भी निश्चत रूप से प्रभावित हुई होगी। बंगाल में भाजपा और टीएमसी के बीच कितना नजदीकी संघर्ष रहा है इसका अनुमान एगजिट पोल से भी लगाया जा सकता है। एगजिट पोल ने पांचो राज्यों के पूर्वानुमान दिखाए हैं जिनमें से असम, केरल, तमिलनाडु, पुंडीचेरी के एगजिट पोल पर लगभग सभी सहमत हैं किन्तु बंगाल के एगजिट पोल को लेकर अरमंजस की स्थिति बनी हुई है यह बात अलग है कि अधिकांश एगजिट पोल बंगाल में पहली बार भाजपा की सरकार बनने का पूर्वानुमान लगा रहे हैं वहीं एक दो एगजिट पोल बंगाल में फिर से ममता बनर्जी की ही सरकार बनने की भविष्यवाणी कर रहे हैं। एक प्रमुख सर्वे ऐजेंसी ने तो एगजिट पोल करा लिया लेकिन उसका परिणाम सर्वाजनिक ही नहीं किया। इसी से इस बात को लेकर ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि बंगाल विधानसभा चुनाव का परिणाम किसी के भी पक्ष में जा सकता है और चुनावी ऊंट किसी भी करवट बैठ सकता है। वैसे भी एगजिट पोल के अनुमान पहले की कई बार गलत साबित हो चुके हैं कभी ये सत्यता के निकट होते हैं तो कभी ये एकदम उलट हो जाते हैं इसलिए बंगाल चुनाव पर सब की नजर वहीं लगी हुई है वैसे यह एक बड़ी उपलब्धि मानी चाहिए कि बंगाल में मतदान का नया कीर्तिमान बना और इसी के साथ यह भी पहली बार हुआ कि चुनाव के दौरान वहां हिंसा का घटनाएं छिटपुट ही हुईं। इसके पूर्व बंगाल में चाहे कोई भी चुनाव हो हिंसा का तांडव होता रहा है किन्तु इस बार चुनाव आयोग ने शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए वहां सुरक्षा के चाकचौबंद इंतैजाम किये थे यही वजह है कि चुनाव के दौरान वहां हिंसा की कोई बड़ी घटना नहीं हुई। हालांकि दूसरे चरण के मतदान के दौरान कई जगह टीएमसी और भाजपा समर्थकों के बीच टकराव की स्थिति बनी और डोंगमण्ड हारबर के फलता बूथ पर ईवीएम में भाजपा प्रत्याशी के नाम और चुनाव चिंह पर टेप चिपकाए जाने की घटना की सामने आई जिसकी जुवाव आयोग से शिकायत की गई है। ऐसे कुछ मतदान के केंद्रों में जहां टीएमसी समर्थकों ने गड़बड़ी की कोशिश की वहां दुबारा मतदान कराया जा सकता है। इन घटनाओं को छोड़ दें तो बंगाल का चुनाव पहली बार शांतिपूर्ण रहा कड़ी सुरक्षा के कारण ही लोग निर्भिक होकर लोग मतदान के लिए घरों से निकले इसके लिए चुनाव आयोग तथा केन्द्रीय सुरक्षाबल के जवान साधुवाद के पात्र हैं। अब देखना यह होगा कि चार मई को बंगाल में ईवीएम किसके पक्ष में नतीजे देती है। भाजपा और टीएमसी दोनों ही अपनी सरकार बनने का दावा कर रहे हैं। वहीं ममता बनर्जी अभी से चुनाव परिणाम को लेकर ईवीएम पर निशाना साध रही हैं। कोलकाता में एक मतदान केन्द्र के पास टीएमसी समर्थकों ने जमकर हंगामा किया और यह आरोप लगाया कि वहां ईवीएम के साथ छेड़छाड़ की जा रही है। इसकी सूचना मिलने पर खुद ममता बनर्जी ही रात में वहां पहुंच गई और उन्होंने भी ईवीएम के साथ छेड़छाड़खानी के आरोप लगाए। हालांकि चुनाव आयोग ने इन आरोपों का खंडन किया है और कहा है कि स्ट्रग रूम में ईवीएम की कड़ी सुरक्षा की जा रही है वहां किसी भी तरह की गड़बड़ी किये जाने की कतई कोई संभावना नहीं है। बहरहाल चुनाव परिणाम घोषित होने तक इस तरह के आरोप प्रत्यारोप तो लगते रहेंगे लेकिन चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद बंगाल में और ज्यादा शर्तकता बरतने की आवश्यकता पड़ेगी। यदि चुनाव परिणाम भाजपा के पक्ष में गये तो टीएमसी समर्थक बवाल काट सकते हैं।ऐसे में वहां और कुछ दिनों तक सुरक्षा के कड़े इंतैजाम रखना निहायत जरूरी है।

सद्गुरु बोधामृतम्

- गुरु द्वार में जाओ और यदि एक करोड़ की लॉटरी का आशीर्वाद दे दिया तो सोचना- हे भगवान ! क्या मैं इतना पतित हूँ, रोओ !! क्योंकि जब तक यह सब चीजें व्यर्थ नहीं लगती तब तक श्री कृष्ण नहीं मिलेंगे।
- जिनके पास कृष्ण प्रेम धन हो और गुरु प्रेम धन है वास्तव में वही धनी है।

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1519 महान चित्रकार लिओनार्दो दा विंची का निधन। 1921 पद्म भूषण, पद्म विभूषण, भारत रत्न, और ऑस्कर अवॉर्ड से अलंकृत फ़िल्म निर्माता, निर्देशक लेखक सत्यजित रे का जन्म। 1924 नीदरलैंड ने सोवियत संघ को मान्यता देने से इनकार कर दिया। 1933 जर्मनी में हिटलर ने मजदूर संघों पर प्रतिबंध लगा दिया। 1945 इटली में मौजूद जर्मन सैनिकों ने आत्मसमर्पण कर दिया। 1949 महात्मा गांधी की हत्या के मामले की सुनवाई शुरू। 1950 फ्रांस ने कोलकाता के पास स्थित अपने उपनिवेश चंद्रनगर को भारत सरकार को सौंपा। 1952 दुनिया के पहले जेट विमान डी हेल्वैंड ने लंदन से जोहानिसबर्ग के बीच पहली उड़ान भरी। 1986 सं.रा. अमेरिका की 30 वर्षीया एन. बैन्क्राफ़उत्तरी ध्रुव पर पहुंचने वाली प्रथम महिला बनीं। 1997 ब्रिटेन में 18 वर्षों बाद लेबर पार्टी सत्ता में, उसके नेता टोनी ब्लेयर ब्रिटेन के संसदीय इतिहास में सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री बने। 1999 मिरया मोन्तेसो पनामा की प्रथम महिला राष्ट्रपति नियुक्त। 2002 पाकिस्तान के इंजामामुल हक ने न्यूजीलैंड के ख़िलाफ़ 329 रन बनाये।

राशि फल



पं. देवव्रत शर्मा

देगी।

वृष: आज दिल की कोई बड़ी इच्छा पूरी होकर आपको खुशी से भर देगी। घर में सरप्राज्ज जैसा माहौल बनेगा और आपको के साथ हंसी-खुशी का समय बीतेगा।

मिथुन: आज कुछ नया शुरू करने की हलचल आपके मन में रहेगी। शादीशुदा जीवन में सन्मग्न और समझ बन रही है। आप अपने लक्ष्य को लेकर काफी सज्ज रहेगे।

कर्क: आज का दिन सहत और प्रगति लेकर आएगा। पॉपर्टी से जुड़े फैसले आपके पक्ष में रहेंगे और आपकी कला-कौशल में निखार

दिखेगा।

सिंह: आज सुख-सुविधाओं में इजाफ़ आपके सतुष्टि देगा। राजनीति या नेतृत्व से जुड़े लोगों के लिए दिन शानदार है। जीवनसाथी के साथ हल्की नोकझोंक हो सकती है, इसलिए संयम रखें।

कन्या: आज खुशियों और सुकून से भरा दिन है। परिवार का पूरा साथ मिलेगा, लेकिन सतान की सेहत को लेकर थोड़ी चिंता हो सकती है। पढ़ाई और कौशल में सुधार देखने को मिलेगा।
तुला: आज बिजनेस में थोड़ी उलझनें आ सकती हैं, लेकिन परिवार के साथ समय बिताकर मन खुश रहेगा। बच्चों के साथ यूगेनो-फ़िन्ने का नौका मिलेगा।

वृश्चिक: आज कमाई के नए रास्ते खुलेंगे और हर काम में सफलता आपके साथ होगी। सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी से मन प्रसन्न रहेगा। वैवाहिक जीवन में चल रही परेशानियां ख़त्म होंगी।

धनु: आज आपके लिए खुशियों की सौगात

लेकर आया है। परिवार का सहयोग और माता-पिता का आशीर्वाद आपके रुके काम पूरे करेगा। भाई-बहनों की सलाह आपके लिए फ़ायदेमंद साबित होगी।

मकर: आज अछूते काम पूरे करने का समय है। नौकरी के नए अवसर आपके लिए दरवाजे खोल सकते हैं। सामाजिक क्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आप कुछ अलग और खास करने की दिशा में बढ़ेंगे।

कुंभ: आज जिम्मेदारी निभाने का दिन है और आप इसमें सफल भी रहेंगे। सुख-समृद्धि बढ़ेगी और नया वाहन खरीदने का सपना पूरा हो सकता है। बिजनेस की अटकौ डील फ़इनल होने के संकेत हैं।

मीन: आज का दिन शांति और आनंद से भरा रहेगा। धार्मिक कार्यों में मन लगेगा और जीवनसाथी के साथ रोमांटिक पल बिताने का मौका मिलेगा। परिवार में छोटी-मोटी बहस हो सकती है, इसलिए संयम रखें।



योगेश कुमार गोयल

उन्हें देवताओं का दिव्य दूत और संचार का अग्रणी साधक माना गया है। उन्हें ब्रह्माण्ड का पहला ऐसा संदेशवाहक अर्थात् पत्रकार माना जाता है, जो एक लोक से दूसरे लोक की परिक्रमा करते हुए सूचनाओं का आदान-प्रदान किया करते थे। मान्यता है कि देवर्षि नारद का जन्म ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा के दिन हुआ था। इसीलिए प्रतिवर्ष इसी दिन नारद जयंती मनाई जाती है, जो इस वर्ष 2 मई को मनाई जा रही है। इस दिन भगवान विष्णु तथा माता लक्ष्मी का पूजन करने के पश्चात् देवर्षि नारद की पूजा की जाती है। अपनी वीणा की मधुर तान से भगवान विष्णु का गुणगान करने और अपने श्रीमुख से सदैव नारायण-नारायण का जप करते हुए विचरण करने वाले नारद को महर्षि व्यास, महर्षि वाल्मीकि तथा महाज्ञानी शुक्रदेव का गुरु माना जाता है। कुछ शास्त्रों में नारद मुनि को त्रिकालदर्शी और विष्णु का अवतार भी माना गया है। श्रीमद्भागवदपुराण के अनुसार सृष्टि में भगवान विष्णु ने देवर्षि नारद के रूप में तीसरा अवतार ग्रहण किया है। कुछ स्थानों पर उनका वर्णन बुद्धिपति के शिष्य के रूप में भी मिलता है। धार्मिक पुराणों के अनुसार अनेक कलाओं तथा विद्याओं में निपुण देवर्षि नारद को संगीत की शिक्षा ब्रह्माजी ने स्वयं दी थी और



गजेन्द्र सिंह शेखावत

यह एक सभ्यता का अपने आप को नमन है। श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत द्वारा किसी राष्ट्र के जीवन में कुछ ऐसे क्षण आते हैं जब इतिहास केवल खुद को दोहराता नहीं – बल्कि और गहरा हो जाता है। इस बुधवार, जब तथागत बुद्ध के पवित्र अवशेष इस पैमाने पर सार्वजनिक श्रद्धा के साथ पहली बार भारत में लद्दाख की धरती पर उतरेंगे, तो मैं खुद को सरकारी भाषा की ओर नहीं, बल्कि किसी बहुत पुरानी चीज की ओर – श्रद्धा की ओर – मुड़ते हुए पाता हूँ। सदियों से लद्दाख ने यह ज्योति संजोए रखी है। उन कस्र सदियों में जो नदियों को जमा देती हैं, उन भू-राजनीतिक दबावों में जो मजबूत से मजबूत आत्माओं को भी आजमाते हैं, ऊँचाई की एकाकी दुनिया में और दूर-दराज के दर्रों की कठिनाइयों के बीच – लद्दाख के लोगों ने धर्म को ऐसी निष्ठा से जीवित रखा है जो हर संस्था और हर सरकार को नत-मस्तक कर दे। तो यह बिल्कुल उचित है कि भारत का पहला ऐतिहासिक सार्वजनिक प्रदर्शनी किसी महानगर के वालनकूलित संग्रहालय में नहीं, बल्कि यहाँ – दुनिया की छत पर – हो रहा है, जहाँ आस्था ही जीवन की बुनावट है। और सोचिए – ये अवशेष कहीं से आ रहे हैं? वे पिपरहवा, उत्तर प्रदेश से आते हैं – वह स्थान जिसे ऐतिहासिक रूप से प्राचीन कपिलवस्तु से जोड़ा जाता है, सिद्धार्थ गौतम की जन्मभूमि। लहरे लद्दाख लाना, शाब्दिक अर्थों में, एक घर-वापसी है।

पाठकों की बात

रहने दो ये अंधेरे की अब ये नहीं डसता है , रौशनी का अब एक-एक करी भी चुभता है , जब पहले रौशनाई में चलता था , हर एक हाँथ सलामी में उठता था , सहर क्या गया , एक हवा क्या चली जो जलया था दिया वो क्या बुझा , की सब बदल गया ,की सब ढल गया , एक रात स्याह से उभ भर को छा गई , कोई हाँथ न उठा ,कोई पुकार न गुंजी , कोई राह न सूझी ,कोई रेशनी न फूटी , सा खो गया जैसे सारा जहाँ सो गया , लड़खड़ाते रहे छटपटाते रहे।। - **नमन कुमार मिश्रा**

एक दिन मर जाएँगे और फिर यही धरी रह जाएँगी। सारी शिकायतें नम्रपत्तें और परेशानियाँ। सो जाना है फिर सुकून की नींद मिट्टी में मिलकर। सारा गुमान और सारी अकड़ यही रह जायेगी। फिर याद करेगी तुमको दुनिया तुम्हारे किये गए कर्मों के अनुसार।।। - **कमलकांत डोगरे**



विश्वास में बदलने वाले, यही मेरा विश्वास हो तुम। कभी ये सप्तर न रुकने पाये, मेरे हम सप्तर हमराज हो तुम।।

- हेमा पांडेय

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

वापसी, विश्व श्रमिक दिवस की बधाई ले कर सुबह सुबह निकल पड़ा था हर मजदूर दिहाड़ी पर। किसी के कंधे पे गमछ था। किसी के लैपटॉप। गमछे लहाई थी आ गया। पर लैपटॉप वाले का देर रात तक भी पता नहीं। - **तपन मुखर्जी**

मेरे ख्वाब की ताबीर हो तुम, मेरे लिए एक जागीर हो तुम। तुम्हें पाने की तमन्ना की थी मैंने, इसी हकीकत के तलबगार हो तुम। इतनी इनायत करते रहना ,मेरे हमसफर हमसाज हो तुम। हर राज तुमसे बना किया है मैंने, एक राजदार भी हो तुम। विश्वास में बदलने वाले, यही मेरा विश्वास हो तुम। कभी ये सप्तर न रुकने पाये, मेरे हम सप्तर हमराज हो तुम।।

- हेमा पांडेय

वापसी, विश्व श्रमिक दिवस की बधाई ले कर सुबह सुबह निकल पड़ा था हर मजदूर दिहाड़ी पर। किसी के कंधे पे गमछ था। किसी के लैपटॉप। गमछे लहाई थी आ गया। पर लैपटॉप वाले का देर रात तक भी पता नहीं। - **तपन मुखर्जी**

रिश्ते हमारे जीवन की वो फ़सलें हैं जिन्हें जिस तरीके से सींचा जाता है वो उसी के अनुसार पैदावार देती हैं। ये जरूर है कि उनमें गुम और खुशी के मौसमों की मार पड़ती रहती है लेकिन जरूरी ये है कि बावजूद इसके उसकी हिफ़जत की जाए।

-रेनू शब्दमुखर

समाजोन्मुखी पत्रकारिता के पितामह हैं देवर्षि नारद

नारद मुनि की छवि को एक चुगलखोर अर्थात् ध्रुव की उधर करने वाले और आपस में भिड़ाकर वलेश कराने वाले पौराणिक चरित्र के रूप में गढ़ दिया गया है लेकिन वास्तव में उनका प्रमुख उद्देश्य प्रत्येक भक्त की पुकार भगवान तक पहुंचाना ही परिलक्षित होता रहा है। वे एक लोक से दूसरे लोक में भ्रमण करते हुए संवाद-संकलन का कार्य कर एक सक्रिय एवं सार्थक संवाददाता की भूमिका निभाते रहे हैं। संवाद के माध्यम से वे तोड़ने का नहीं बल्कि जोड़ने का कार्य करते हैं और पत्रकारिता के प्रथम पितृ पुरुष हैं। देवताओं के ऋषि होने के साथ-साथ वे ब्रह्माण्ड के प्रथम दिव्य पत्रकार के रूप में लोकमंडल के संवाददाता हैं।

भगवान विष्णु ने उन्हें माया के विविध रूप समझाए थे। मान्यता है कि देवर्षि नारद ने ही भक्त प्रह्लाद, भक्त अम्बरीष, भक्त ध्रुव इत्यादि भगवान विष्णु के कई परम भक्तों को उपदेश देकर उन्हें भक्ति मार्ग में प्रवृत्त किया था। उन्होंने ही भृगु कन्या लक्ष्मी का विवाह भगवान विष्णु के साथ कराया। देवराज इन्द्र को समझ-बुझाकर देव नर्तकी उर्वशी का पुरुरवा के साथ परिणय सूत्र कराया। इसके अलावा वे कई अत्याचारी महाराक्षसों द्वारा जनता के उत्पीड़न का वृत्तांत भगवान तक पहुंचाकर उनके विनाश का माध्यम भी बने। महर्षि वाल्मीकि को रामायण की रचना करने के लिए प्रेरित किया। यही कारण है कि समस्त युगों, कालों, विश्वाओं और वर्गों में सम्मान के पात्र रहे नारद जी को सभी लोकों के समाचारों की जानकारी रखने वाले कवि, मेधावी नीतिज्ञ तथा एक प्रभावशाली वक्ता के रूप में स्मरण किया जाता है। जन-जन के हितकारी देवर्षि नारद किस प्रकार धरती पर विभिन्न प्राणियों को दुखी देखकर स्वयं भी दुखी हो जाया करते थे, इसका

उल्लेख भी एक पौराणिक कथा में मिलता है।

कथानुसार, एक बार देवर्षि नारद ने बैकुंठधाम जाकर



देवर्षि ने कहा कि उन्होंने जंगल में दलदली जमीन में फंसी एक गाय देखी। एक चोर वहां आया और गाय को दलदल में फंसी देखकर भी उसकी कोई मदद करने के बजाय वह उसी पर चढ़कर दलदल लांघकर निकल गया, जिसे आगे जाकर सोने की मोहरों से भरी एक थैली मिली। कुछ पलों बाद वहां एक बूढ़ा साधु आए, जिन्होंने काफी प्रयासों के बाद गाय को दलदल से बाहर निकाल दिया लेकिन थोड़ा आगे जाने पर

वही साधु एक गहरे गड्ढे में गिरकर घायल हो गए। आखिर यह कौनसा न्याय है? देवर्षि की बातें सुनने

भगवान विष्णु से निवेदन किया कि वे पृथ्वी पर लोगों को दुखी देखकर खुद बहुत दुखी हैं क्योंकि वहां धर्म के रास्ते पर चलने वाले लोगों का नहीं बल्कि गलत कार्य करने वालों का ही भला होता है। भगवान विष्णु ने कहा कि हे नारद! ऐसा नहीं है और जो कुछ भी हो रहा है, सब नियति के जरिये ही हो रहा है। उन्होंने पूछ कि आखिर ऐसा आपने क्या देख लिया, जिसके आधार पर आप यह कह रहे हैं? तब

देवर्षि ने कहा कि उन्होंने जंगल में दलदली जमीन में फंसी एक गाय देखी। एक चोर वहां आया और गाय को दलदल में फंसी देखकर भी उसकी कोई मदद करने के बजाय वह उसी पर चढ़कर दलदल लांघकर निकल गया, जिसे आगे जाकर सोने की मोहरों से भरी एक थैली मिली। कुछ पलों बाद वहां एक बूढ़ा साधु आए, जिन्होंने काफी प्रयासों के बाद गाय को दलदल से बाहर निकाल दिया लेकिन थोड़ा आगे जाने पर

वही साधु एक गहरे गड्ढे में गिरकर घायल हो गए। आखिर यह कौनसा न्याय है? देवर्षि की बातें सुनने के पश्चात् भगवान विष्णु ने कहा कि जो चोर गाय पर चढ़कर भाग गया था, उसकी किस्मत में तो एक बड़ा खजाना था लेकिन उसके इस पाप के कारण उसे केवल कुछ ही मोहरें मिली जबकि साधु को गड्ढे में इसलिए गिरना पड़ा क्योंकि उनके भाग्य में मृत्यु लिखी थी लेकिन गाय को बचाने के कारण उनके पुण्य बढ़ गए और उनकी मृत्यु एक छोटी सी चोट में बदल गई। भगवान विष्णु ने उन्हें समझाते हुए कहा कि किसी भी इंसान के कर्म से ही उसका भाग्य तय होता है। सदुगुणों के अथाह भंडार और समस्त शास्त्रों में प्रवीण देवर्षि नारद को शास्त्रों में मन का ऐसा भगवान कहा गया है, जो किसी भी होनी-अनहोनी को समय रहते पहचान लेते हैं। उन्हें वेदों और उपनिषदों का मर्मज्ञ, न्याय तथा धर्म का तत्वज्ञ, शास्त्रों का प्रकांड विद्वान, इतिहास व पुराण विशेषज्ञ, औषधि ज्ञाता, योगनिष्ठ, ज्योतिष एवं संगीत विशारद, भक्ति रस का प्रमुख तथा अतीत की बातों को जानने वाला माना गया है। वे एक ऐसे पौराणिक चरित्र हैं, जो तत्वज्ञान में परिपूर्ण हैं। पच्चीस हजार श्लोकों वाला प्रसिद्ध ‘नारद पुराण’ देवर्षि द्वारा ही रचा गया है, जिसमें उन्होंने भगवान विष्णु की भक्ति महिमा के साथ-साथ मोक्ष, धर्म, संगीत, ब्रह्मज्ञान, प्रार्थश्चित इत्यादि कई विषयों की मीमांसा प्रस्तुत की है। इसके अलावा संगीत का एक उकृष्ट ग्रंथ ‘नारद संहिता’ भी है।

जहाँ बुद्ध घर लौटते हैं

एक ऐसा &#x~>;पहली बार9 जो युगों का बोझ उठाए है। तथागत के पवित्र अवशेषों की इस पावन प्रदर्शनी का आधिकारिक नाम भी एक घोषणा है: &#xहहभह्&#xसंघर्ष के समय में शांति&#x” एक ऐसी दुनिया में जो युद्ध, विखंडन और बढ़ती दुश्मनी से जूझ रही है, ये शब्द उस सोच को चुनौती देते हैं जो संघर्ष को अनिवार्य मानती है, शक्ति को आक्रामकता से जोड़ती है, और अनिश्चितता का एकमात्र उत्तर बल में देखती है। बुद्ध ने ढाई हजार साल पहले इस चुनौती का जवाब दिया था। हम उनकी भौतिक उपस्थिति को वापस ला रहे हैं ताकि दुनिया को याद दिला सकें – वह उत्तर आज भी उतना ही प्रासंगिक है। गौतम बुद्ध के पवित्र अवशेष – जिन्हें अत्यंत पवित्रता के साथ संरक्षित किया गया है – पहली बार अपने स्थायी संरक्षण-स्थल से बाहर निकलकर इस पैमाने पर भारतीय भूमि पर दर्शन के लिए आ रहे हैं।’ श्रेणी की सुरक्षा के साथ, एक विशेष विमान में, वे 29 अप्रैल तक, शुभ 2569वीं वेसाक बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर से आरंभ होकर, दुनियाभर के श्रद्धालुओं, भिक्षुओं, विद्वानों और तीर्थयात्रियों के लिए यह प्रदर्शनी सुलभ रहेगी। स्थान भी अपने आप में बहुत कुछ कहते हैं। महाबोधि अंतर्राष्ट्रीय ध्यान केंद्र, ऐतिहासिक लेह पैलेस का धर्म केंद्र, और जीवे-त्सल का शिक्षण स्थल – वही पवित्र भूमि जहाँ परमपावन दलाई लामा ने अपनी शिक्षाएं दी हैं – इस प्रदर्शनी के आयोजन-स्थल होंगे। और अवशेष केवल लेह तक सीमित नहीं रहेंगे। 11 और 12 मई के बीच वे सुदूर जांस्कर घाटी की यात्रा करेंगे – उस समुदाय तक बुद्ध की कृपा पहुंचाने



जोवित विश्वविद्यालय है। हेंमिस मठ की शांत ऊँचाइयों से – जिसका वार्षिक उत्सव समूचे हिमालयी संसार से तीर्थयात्रियों को खींचता है – अलचौ के प्राचीन भित्तिचित्रों तक, जो 10वीं सदी में बने और आज भी भक्ति की प्रतिभा से जीवंत हैं; दिस्कत की विशाल मैत्रेय बुद्ध प्रतिमा से – जो स्योक नदी की ओर अनंत करुणा की दृष्टि से देखती है – थिक्से के बहुस्तरीय ज्ञान तक, जिसकी तुलना अक्सर तिब्बत के महान मठों से की जाती है – लद्दाख हजार वर्षों से अधिक समय से बौद्ध दर्शन, कला, पांडुलिपि परंपरा और जीवंत साधना के सबसे असाधारण भंडारों में से एक रहा है। ये मठ, इनमें रहने वाले भिक्षु – ये उस परंपरा के सक्रिय वाहक हैं जो हिमालयी क्षेत्र के हर भू-राजनीतिक तूफान में टिकी रही। और यह संरक्षण का कार्य उन्होंने उन परिस्थितियों में किया है जो अधिकांश प्रशासकों की कल्पना को भी थका दे: कड़कों की ठंड, सीमित संसाधन, बुनियादी सुविधाओं का अभाव, और एक ऐसा भूगोल जिसे बसाने के लिए भी साहस

चाहिए। यह भारत की आधिकारिक स्वीकृति है कि लद्दाख हमेशा से क्या रहा है – नक्शे के किनारे पर एक सीमांत क्षेत्र नहीं, बल्कि राष्ट्र की पहचान के केंद्र में धड़कता हुआ एक आध्यात्मिक हृदय। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने लद्दाख को बौद्ध संस्कृति और आध्यात्मिकता के एक जीवंत केंद्र के रूप में निरंतर वर्णित किया है। उन्होंने लद्दाख के लोगों की लचीलेपन और देशभक्ति की – विशेषकर कठिन सीमा परिस्थितियों में – अक्सर बात की है, उनकी आध्यात्मिक शक्ति को राष्ट्रीय संकल्प और एकता से जोड़ते हुए। उन्होंने स्पष्ट किया है कि लद्दाख में विकास उसकी अनूठी संस्कृति और पर्यावरण के संरक्षण के साथ-साथ चलेगा। जैसा कि प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया है: लद्दाख न केवल अत्यंत रणनीतिक महत्त्व की भूमि है, बल्कि बुद्ध की शिक्षाओं का एक जीवंत केंद्र भी है। पवित्र अवशेषों की यह यात्रा एक आध्यात्मिक आशीर्वाद भी है और बौद्ध विरासत को संजोने में लद्दाख की सदियों पुरानी भूमिका, तथा राष्ट्र की सेवा में यहाँ के लोगों के साहस और समर्पण की पहचान भी। यह दृष्टि – कि लद्दाख एक साथ राष्ट्रीय सुरक्षा का सीमांत और सभ्यतागत ज्ञान का गढ़ है एक टूटती दुनिया को लद्दाख क्या सिखाता है यह प्रदर्शनी भारत में अब तक की बौद्ध समुदायों की सबसे बड़ी सभाओं में से एक बनने की संभावना रखती है। और ऐसी दुनिया में जो संघर्ष, ध्रुवीकरण और संदेह की राजनीति से परिभाषित होती जा रही है, यह सभा एक ऐसा संदेश देती है जो किसी एक आस्था की सीमाओं से परे जाता है। अहिंसा, करुणा और आंतरिक जागृति पर बुद्ध की शिक्षाएं किसी एक समुदाय, संप्रदाय या परंपरा की संपत्ति नहीं हैं। चाहे वह गेंतुल हो, द्रकपा, काग्यू, या लद्दाख में फ्लाटी-फ्लूली कोई भी अन्य महान परंपरा – धर्म का एक सार एक ही रहता है: करुणा का, प्रज्ञा का, सद्भाव का मार्ग।



कुछ लोग हमें नहीं जानते लेकिन अपनों से ज्यादा मानते हैं । कहते हैं फेसबुक एक आभासी दुनिया है जिसका कोई वजूद नहीं लेकिन क्या आज के समय आपको ऐसा लगता है जिस वक्त आपके अपने आपसे दूर हो रहे हैं ? बताइएगा जरूर और हाँ यदि आपको मेरी पोस्ट पसन्द आती हैं तो कृपया शेयर भी किया कीजिए ,हार्दिक आभार ।



- **वर्षा वाष्पोंय अलीगढ़**

लिखता है वो देश की, निज हाथों तकदीर। उस श्रमसाधक की हुई,अंति धुंधली तस्वीर।।1।।। सब देते बस सांत्वना,नहीं समझते पीर। भूखा प्यासा श्रम करे,जजर हुआ शरीर।।2।। श्रमिक वर्ग का दिख रहा,लथपथ स्वेद शरीर। उसे निवाला भूख का, बाबू खाते खीर।।3।। श्रम करते जो रात-दिन,रूहें मंजे से दूर। ये दुनिया है मानती, ऐसों को मजदूर।।।।।

- डॉ. बिपिन पाण्डेय

QUIZ TIME

1) भारतीय सेना द्वारा हाल ही में शामिल की गई ‘शौर्य रक्षाइन’ मुख्यतः किस प्रकार की रेंजिमेंट से संबंधित है?

2) आईएनएस साकिनी का निर्माण किस भारतीय शिपयार्ड ने किया था?

3) वर्ल्ड रेडियोग्राफ़ डे 2025 की थीम क्या है?

4) वाल्मीकि रामायण की दुर्लभ पांडुलिपि स्थायी रूप से किस

संस्था को भेंट की गई है?

5) लिथुआनियाई उपन्यास ‘द लास्ट डे’ के लेखक कौन हैं, जिसका हाल ही में साहित्य अकादेमी द्वारा हिंदी में अनुवाद किया गया है?



1) भारतीय सेना द्वारा हाल ही में शामिल की गई ‘शौर्य रक्षाइन’ मुख्यतः किस प्रकार की रेंजिमेंट से संबंधित है?

2) आईएनएस साकिनी का निर्माण किस भारतीय शिपयार्ड ने किया था?

3) वर्ल्ड रेडियोग्राफ़ डे 2025 की थीम क्या है?

4) वाल्मीकि रामायण की दुर्लभ पांडुलिपि स्थायी रूप से किस

पहेली



मुंगेली जिले ने 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा में प्रदेश में सर्वोच्च स्थान बनाया

मुंगेली/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम में मुंगेली जिले ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पूरे प्रदेश में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। जिले के मेधावी विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे जिले को गौरवान्वित किया है। कक्षा 10वीं के परिणाम में लोरमी के छात्र अंशुल शर्मा ने 99 प्रतिशत अंक प्राप्त कर

जिले में सर्वोच्च स्थान हासिल किया। वहीं जिला मुख्यालय के विवेकानंद वार्ड की छात्रा नंदिता देवांगन ने 98.83 प्रतिशत, चक्रभावा स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की कुमारी हेमा ने 97.83 प्रतिशत और लोरमी के चैतूराम साहू ने कक्षा 12वीं में 96.80 प्रतिशत अंक अर्जित कर जिले का नाम बढ़ाया। जिला कलेक्टोरेट में कलेक्टर कुन्दन कुमार एवं जिला

पंचायत सीओए ने इन सफल विद्यार्थियों को मिठाई खिलाकर बधाई दी और सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अधिकारियों ने विद्यार्थियों के परिश्रम, अनुशासन और समर्पण की सराहना करते हुए इसे जिले के लिए गर्व का क्षण बताया। कलेक्टर ने कहा कि इस वर्ष मुंगेली जिले के विद्यार्थियों ने प्रदेश के टॉप-10 में स्थान बनाकर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने इस सफलता



का श्रेय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा संचालित +90 प्लस शिक्षा गुणवत्ता अभियान+ को देते हुए कहा कि जिले के 74 स्कूलों को चिन्हित

कर विशेष रूप से मोटिवेशन और गुणवत्ता सुधार पर कार्य किया गया। उन्होंने कहा कि सफल विद्यार्थी आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्रोत बनेंगे

और प्रेरणा से परिवर्तन की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। भविष्य में शिक्षा में तकनीकी नवाचारों को जोड़ते हुए विद्यार्थियों को आधुनिक

संसाधनों से जोड़ने के प्रयास किए जाएंगे, ताकि वे डॉक्टर, इंजीनियर और वैज्ञानिक जैसे क्षेत्रों में अपनी पहचान बना सकें। कलेक्टर ने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान के अंतर्गत 90 प्लस परीक्षा परिणाम कार्यक्रम चलाया गया, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। जिले के मेधावी विद्यार्थी अपने परिजनों के साथ जिला कलेक्टोरेट पहुंचे और अपनी सफलता साझा की। उन्होंने

बताया कि शिक्षकों की नियमित समीक्षा, एबीसीडी ग्रेडिंग, इंटरनल वेरिफिकेशन और युक्तियुक्तकरण के तहत शिक्षकों की प्रभावी तैनाती जैसे कदमों से शिक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया, जिसका परिणाम आज सभी के सामने है। इस अवसर पर विद्यार्थियों के अभिभावक भी उपस्थित रहे और उन्होंने जिले में शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक बदलावों के लिए जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

न्यूज गैलरी

मुंगेली के आत्मानंद अंग्रेजी विद्यालय का उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम

मुंगेली/नवप्रदेश। पीएम श्री स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी विद्यालय दाऊपारा का '90 प्लस' मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान अंतर्गत विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने कक्षा 10वीं एवं 12वीं में उत्कृष्ट अंक अर्जित किये हैं। अंग्रेजी माध्यम में कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम 98 प्रतिशत एवं कक्षा 12 वीं का 95 प्रतिशत रहा। जिसमें कक्षा 10 वीं से डाली साहू 92.83 प्रतिशत अंकों के साथ शाला में प्रथम, डार्विन राज 90.83 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान पर रहे। इसी प्रकार कक्षा 12 वीं में श्वेता लहरे 90.20 प्रतिशत के साथ प्रथम, आयुषी उपाध्याय 87.80 के साथ द्वितीय स्थान पर रहे। इसी प्रकार हिन्दी माध्यम कक्षा 10वीं का परिणाम 89 प्रतिशत रहा, जिसमें प्रज्ञा कश्यप 95.33 प्रतिशत के साथ प्रथम, लक्ष्मण 92.00 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान पर रहे। कक्षा 12वीं का परिणाम 99 प्रतिशत रहा, जिसमें प्रथम अनामिका 88.20 प्रतिशत एवं संतोषी भास्कर 87.60 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान पर रहे। प्राचार्य डॉ. आर्.पी. यादव के कुशल प्रबंधन व शिक्षकों के मार्गदर्शन में मिली इस सफलता पर शाला परिवार ने सभी छात्र-छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

छात्र-छात्राओं ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन, पुरस्कार वितरित

मुंगेली/नवप्रदेश। सरस्वती शिशु मंदिर प्राथमिक विभाग बड़ा बजार का वार्षिक परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। वार्षिक परीक्षा परिणाम की घोषणा 30 अप्रैल को हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ भारती माँ सरस्वती एवं ओम से समक्ष द्वीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में वृत्त कथन एवं परीक्षा परिणाम की घोषणा प्रधानाचार्य द्वारा किया गया। कक्षाएं: परीक्षा परिणाम इस प्रकार रहा। कक्षा चतुर्थ में प्रथम स्थान पर बहन रिकी सिंह एवं पूरुष सोनकर, कक्षा तृतीय में प्रथम स्थान पर भैया सौरभ देवांगन, कक्षा द्वितीय में प्रथम स्थान पर बहन आराध्या यादव एवं भैया तामेश साहू, कक्षा प्रथम में प्रथम स्थान पर बहन हर्षिता श्रीवास एवं आशी केशरवानी, कक्षा उदय में प्रथम स्थान पर बहन दर्शिका डहरिया एवं डॉली सोनकर, कक्षा अरुण में प्रथम स्थान पर बहन शताब्दी पटेल, कक्षा नर्सरी में प्रथम स्थान पर भैया मयंक सोनकर का रहा।

छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया



मुंगेली/नवप्रदेश। सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पेंडाखारपा में वार्षिक परीक्षा परिणाम कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम के प्रारंभ में उपस्थित अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित किया गया। उपस्थित अतिथियों का परिचय विद्यालय के प्राचार्य कामता प्रसाद साहू के द्वारा कराया गया। मुख्य अतिथि के रूप में सेवा निवृत्त व्याख्याता शा.उ.मा.वि. करही राजेन्द्र दुबे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवा निवृत्त प्राचार्य शा.कन्या उ.मा.वि. मुंगेली वी.के. वैष्णव अतिथियों का स्वागत तिलक लगाकर एवं श्रोत्रस्त से किया गया। वार्षिक परीक्षा परिणाम की घोषणा विद्यालय के प्रधानाचार्य के द्वारा किया गया। भैया/बहनों को आशीर्वाचन देते हुए मुख्य अतिथि राजेन्द्र दुबे ने कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर केवल पढ़ाई के क्षेत्र में नहीं संस्कारवाचन भी बनाता है।

पेज 1 का शेष...

खेती से समृद्ध किसान, आदिवासी... 5 जिलों में सभी वर्ग की महिलाओं को नियमित आय उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दुधार गाय देने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए एनडीडीबी समझौता हुआ है। महिलाओं को उनके आवेदन पर दुधार गाय भी दिए जा रहे हैं। वहीं प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत सैकड़ों मत्स्य किसानों को लाभान्वित भी किया जा रहा है। **❑** पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए आपने क्या कदम उठाए हैं? - हमने ई-टेंडरिंग, ऑनलाइन मॉनिटरिंग और नियमित ऑडिट जैसी व्यवस्थाएं लागू की हैं। भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई गई है और शिकायत निवारण तंत्र को मजबूत किया गया है। **❑** डबल इंजन सरकार का किसानों को कितना लाभ मिल रहा है? - केंद्र और राज्य सरकार के बेहतर समन्वय से योजनाओं का क्रियान्वयन तेज हुआ है। राज्य में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली सरकार में महज इन 2 सालों में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के तहत किसानों को 1 लाख 40 हजार करोड़ रुपये तक लाभान्वित किए जा चुके हैं। साथ ही किसानों को केंद्र और राज्य सरकार के योजनाओं का लाभ तेजी से मिल

रहा है, जिससे उनकी आय और जीवन स्तर में सुधार हो रहा है। **❑** आदिवासी क्षेत्रों में पलायन रोकने के लिए क्या प्रयास किए जा रहे हैं? - हमारी सरकार द्वारा स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन के लिए वन आधारित उद्योग, लघु वनोपज प्रसंस्करण और कौशल विकास कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इससे पलायन में कमी आई है। **❑** दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य और शिक्षा सुधार के लिए क्या किया जा रहा है? - हमारी सरकार दूरस्थ वनांचलों के निवासियों के साथ ही प्रदेश के लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। पीएम जनमन और धरती आबा ग्राम उत्कृष्ट अभियान के माध्यम से जनजातीय बहुल्य गांवों और रहवासियों को शत-प्रतिशत विकास की मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया जा रहा है। इन योजनाओं के तहत मोबाइल मीडिकल युनिट, स्वास्थ्य शिविर और स्कूलों के उन्नयन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। विभिन्न विभागों के समन्वय से सुविधाएं गांव-गांव तक पहुंचाई जा रही हैं। **❑** कृषि में नवाचार और जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में क्या पहल की जा रही है? - हमारी सरकार किसानों को समृद्ध बनाने के लिए आय आधारित खेती पर विशेष ध्यान दे रही है। वहीं फसल

उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए जैविक खेती, उन्नत बीज, ड्रिप इरिगेशन और नई तकनीकों को बढ़ावा दिया जा रहा है। अनुसंधान संस्थानों के सहयोग से उत्पादन और गुणवत्ता में सुधार लाया जा रहा है। उन्नत और नवीन तकनीक को अपनाकर राज्य के किसान समृद्ध हो रहे हैं। **❑** आपके बयानों पर अक्सर विवाद होता है, इस पर आपकी क्या प्रतिक्रिया है? - हम सकारात्मक और रचनात्मक राजनीति में विश्वास रखते हैं। हमारे बयानों का उद्देश्य जनहित के मुद्दों को उठाना होता है, न कि विवाद पैदा करना। **❑** आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ के विकास को आप किस मुकाम पर देखना चाहते हैं? **❑** हमारा लक्ष्य है कि छत्तीसगढ़ का आदिवासी समाज और किसान आत्मनिर्भर और समृद्ध बने। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं में सुधार कर उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ना हमारी प्राथमिकता है। **ईरान पर हाइड्रसैनिक...** नेता और अहम ढांचे (इन्फ्रास्ट्रक्चर) को निशाना बनाया जा सकता है। **कूज हादसे में अब...** को 50 हजार रुपये, हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। उन्होंने प्रधानमंत्री राहत कोष से मृतकों के परिवार जनों को दो-दो लाख रुपये और घायलों को

50 हजार रुपये देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हादसे की जांच के आदेश दिए हैं। शाम को उन्होंने घटना स्थल का जायजा लिया। हादसे में बचे लोगों से भी मिले। वहीं प्रदेश के पर्यटन मंत्री धर्मेन्द्र लोधी जबलपुर पहुंचे हैं, लेकिन उनका हैरान करने वाला बयान सामने आया है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा- नर्मदा में पेट्रोल-डीजल बोट पर रोक है। उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। **वैदिक घड़ी की डिजिटल** से डिजिटल प्लेटफॉर्म पर चर्चाओं का ऐसा वातावरण तैयार हुआ कि केवल सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म से ही लाखों उपयोगकर्ताओं तक इसकी गूंज पहुंची। प्रधानमंत्री श्री मोदी और अन्य आधिकारिक यूट्यूब चैनलों पर आयोजित लाइव स्ट्रीम को 5,933 दर्शकों ने सीधे देखा। **बरगी कूज दुर्घटना के** रेस्क्यू टीम की जीवटता और कर्मठता से ज्यादा से ज्यादा लोगों को जीवित बचाया जा सका है। उन्होंने कहा कि रेस्क्यू ऑपरेशन अभी खत्म नहीं हुआ है। कर्जुज बोट को खींचकर किनारे पर लाया गया है। कुछ लोग अभी लापता हैं, जिनकी हसंभव तरीकों से तेजी से तलाश की जा रही है। जल्द ही सभी को रेस्क्यू कर लिया जायेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कर्जुज हादसे में पीड़ित परिवारों के निवास पहुंचकर शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दुर्घटना के बारे में बताया कि जबलपुर के बरगी डैम में गुरुवार को हुए दुःखद हादसे में 9 लोगों की असमय मृत्यु हो गई। रेस्क्यू टीम ने तत्परा से कार्रवाई कर 28 लोगों को सुरक्षित बचा लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हादसे से पूरा प्रदेश स्तब्ध है। कर्जुज हादसे के दौरान डैम के पास जल जीवन मिशन का कार्य चल रहा था, जिससे तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू हो पाया। **विकास की अद्भुत यात्राओं का अभिनंदन** गरबा और डांडिया में झलकती है, जो पूरे विश्व में प्रसिद्ध हैं। कच्छ का रण, गिर के वन, साबरमती का तट, माँ नर्मदा का आशीर्वाद और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी राज्य की विविधता को अद्वितीय छंटा प्रदान करते हैं। साबरमती के संत महात्मा गांधी एवं लोह पुरुष सरदार पटेल जैसे धरती पुत्रों ने दुनियाँ में भारत की विशिष्ट पहचान बनाई है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि गुजरात के लोग अपनी जीवटता, नवाचार, व्यापारिक कौशल, अनुशासन और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति गहरी आस्था रखते हैं। परिश्रम और उद्यमशीलता से देश की आर्थिक और सामाजिक प्रगति में योगदान देते हैं। आर्थिक रूप से समृद्ध गुजरात उद्योग, व्यापार, बंदरगाह विकास और उद्यमिता में

‘सही दवा, शुद्ध आहार’ थीम पर संचालित हो रहा सधन जांच

मुंगेली/नवप्रदेश। प्रदेश में नागरिकों को सुरक्षित एवं गुणवत्तायुक्त खाद्य एवं औषधि उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ‘सही दवा, शुद्ध आहार, यही छत्तीसगढ़ का आधार-’ थीम पर 11 मई तक सघन जांच अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार औषधि विभाग की संयुक्त टीम द्वारा जिले में 11 खुदरा औषधि विक्रय दुकानों का औचक निरीक्षण किया गया। औषधि एवं प्रसाशन सामग्री अधिनियम 1940 एवं नियमावली 1945 के तहत की गई। इसी क्रम में टीम द्वारा डेयरी उत्पाद विक्रेताओं दूध, दही, पनीर, लस्सी एवं छाछ बेचने वाले होटलों एवं डेयरी का भी निरीक्षण किया गया तथा जांच के



दवाओं को चिकित्सकीय पची के आधार पर ही बेचने के निर्देश दिए गए। साथ ही गर्मी के मौसम को देखते हुए औषधियों के सुरक्षित भंडारण हेतु तापमान नियंत्रण बनाए रखने को कहा गया। इसी क्रम में टीम द्वारा डेयरी उत्पाद विक्रेताओं दूध, दही, पनीर, लस्सी एवं छाछ बेचने वाले होटलों एवं डेयरी का भी निरीक्षण किया गया तथा जांच के

दौरान 04 नमूना गुणवत्ता परीक्षण हेतु संकलित किया गया। निरीक्षण के दौरान एक होटल में अखबारी कागज में खाद्य सामग्री प्रोसेसते पाए जाने पर पंजीयन निलंबन की कार्रवाई के लिए पंचनामा तैयार किया गया। साथ ही दुकानों में साफ-सफाई बनाए रखने, डस्टबिन का उपयोग, कीट नियंत्रण लाइट लगाने तथा खाद्य सामग्री को ढककर रखने के

निर्देश दिए गए। जिन प्रतिष्ठानों के पास खाद्य पंजीयन नहीं पाया गया, उन्हें तत्काल पंजीयन कराने कहा गया। इस दौरान आम नागरिकों को स्वच्छ एवं सुरक्षित खाद्य पदार्थों का ही सेवन करने खरीदारी के दौरान अखबारी कागज में दिए जा रहे खाद्य पदार्थों का विरोध करने तथा अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की समझाझ दी गई।

सेवानिवृत्ति के दिन ही पेंशन आदेश देकर कर्मचारियों का सम्मान

मुंगेली/नवप्रदेश। जिला कलेक्टोरेट में आज एक सराहनीय पहल देखने को मिली, जब सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारी प्रमोद कुमार श्रीवास को उनकी सेवा निवृत्ति के दिन ही पेंशन भुगतान आदेश प्रदान किया गया।



कार्यालय मुंगेली में अपनी सेवाएं दे रहे थे। लंबे समय तक निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करते हुए उन्होंने आज 30 अप्रैल 2026 को अपनी अधिवर्षिकी सेवा पूर्ण की। इस अवसर पर कलेक्टर ने उनके सेवाकाल की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य और स्वस्थ जीवन की कामना की। साथ ही यह भी

कहा कि सेवानिवृत्ति के दिन ही पेंशन आदेश प्रदान करना शासन की प्राथमिकता है, जिससे कर्मचारियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। प्रमोद श्रीवास ने प्रशासन के इस कदम के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें बिना किसी विलंब के पेंशन आदेश मिलना बेहद संतोषजनक है।

कार्रवाई: 101 लीटर शराब जब्त किया

लखनपुर/नवप्रदेश।साइबर सेल अंबिकापुर एवं लुन्डा पुलिस ने 101 लीटर अंग्रेजी शराब जप्त करने में कामयाबी हासिल किया है। 29 अप्रैल को मुखबिर से सूचना मिली की बेहराडोह दया साहू नाम का व्यक्ति मध्य प्रदेश से भारी मात्रा में शराब लाकर अपने पुराने खंडहरनुमा घर में छिपा कर रखा हुआ है एवं अपने कार में रखकर आसपास के इलाके में बिक्री करता है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर जाकर दबिश दी जहां दया साहू अपनी डस्टर कार में रोड की तरफ निकल रहा था जिसे रोक कर नाम पूछने पर अपना नाम दया साहू

बताया, चालक की गतिविधि संदिग्ध पाए जाने पर गाड़ी की तलाशी ली गई जो गाड़ी के ड्रिक्की में रखा आपटर डार्क व्हिस्की की 6 नग बोतल कार्टून डब्बे में गोवा लिखो अंग्रेजी शराब जिसमें नग 180 रू के कुल 300 नग कुल मात्रा 101.46 लीटर शराब कीमती 92060 रुपये एवं घटना में प्रयुक्त डस्टर कार पुलिस टीम द्वारा बरामद की गई है। विवेचना दौरान प्रकरण में आरोपी दया द्वारा अंग्रेजी शराब का जायज दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने एवं गैर-कानूनी तरीके से बिक्री किया जाना पाये जाने पर न्यायिक प्रमांड पर भेजा गया है।

यौन उत्पीड़न: 3 आरोपी व 3 विधि से संघर्षरत बालक सहित 6 आरोपी गिरफ्तार

लखनपुर/नवप्रदेश। थाना सीतापुर में यौन उत्पीड़न का गंभीर मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने इस मामले में 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिसमें 3 विधि से संघर्षरत बालक भी शामिल हैं। घटना के अनुसार, 24 अप्रैल 2026 को पीड़िता अपनी सहेलियों के साथ शादी समारोह में गई थीं। वापस लौटते समय आरोपियों ने उसे जबरदस्ती मोटरसाइकिल में बिठाकर सुनसान जगह पर ले गए और उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता रात को घर पहुंची और अगले दिन अपने परिजनों को



घटना के बारे में जानकारी दी। उन्होंने 26 अप्रैल को थाना सीतापुर पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। प्राथमिकी में अपराध संख्या 150/2026 दर्ज हुई है, जिसमें आईपीसी की धारा 70(2), साथ ही पॉक्सो अधिनियम की धाराओं 4(2), 5(जी), 6 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए महिला

रिपोर्ट और साक्ष्यों के आधार पर 30 अप्रैल 2026 तक 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इनमें से तीन आरोपी और तीन विधि से संघर्षरत बालक हैं। गिरफ्तार आरोपियों में आनंद बेक, विकास उर्फ राहुल और मनीष खलखो शामिल हैं। विवेचना में थाना प्रभारी उप निरीक्षक अखिलेश सिंह, सहायक उप निरीक्षक शशिप्रभा दास और अन्य पुलिस कर्मियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। आरोपी गिरफ्तारी और जांच में तेजी लाने के लिए पुलिस टीम ने कड़ी मेहनत की है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कर्जुज हादसे में पीड़ित परिवारों के निवास पहुंचकर शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दुर्घटना के बारे में बताया कि जबलपुर के बरगी डैम में गुरुवार को हुए दुःखद हादसे में 9 लोगों की असमय मृत्यु हो गई। रेस्क्यू टीम ने तत्परा से कार्रवाई कर 28 लोगों को सुरक्षित बचा लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हादसे से पूरा प्रदेश स्तब्ध है। कर्जुज हादसे के दौरान डैम के पास जल जीवन मिशन का कार्य चल रहा था, जिससे तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू हो पाया। **विकास की अद्भुत यात्राओं का अभिनंदन** गरबा और डांडिया में झलकती है, जो पूरे विश्व में प्रसिद्ध हैं। कच्छ का रण, गिर के वन, साबरमती का तट, माँ नर्मदा का आशीर्वाद और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी राज्य की विविधता को अद्वितीय छंटा प्रदान करते हैं। साबरमती के संत महात्मा गांधी एवं लोह पुरुष सरदार पटेल जैसे धरती पुत्रों ने दुनियाँ में भारत की विशिष्ट पहचान बनाई है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि गुजरात के लोग अपनी जीवटता, नवाचार, व्यापारिक कौशल, अनुशासन और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति गहरी आस्था रखते हैं। परिश्रम और उद्यमशीलता से देश की आर्थिक और सामाजिक प्रगति में योगदान देते हैं। आर्थिक रूप से समृद्ध गुजरात उद्योग, व्यापार, बंदरगाह विकास और उद्यमिता में

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में चिकित्सा सेवा का नया मानक स्थापित करते हुए लेह में 'ऑपरेशन नेत्र 1.0' के तहत चार दिवसीय उन्नत नेत्र शिविर का सफल आयोजन किया। 27 से 30 अप्रैल 2026 तक 153 जनरल अस्पताल में आयोजित इस शिविर का उद्घाटन 14 कोर के जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल हिंतेश भट्ट ने किया।

दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंची चिकित्सा सुविधा

इस शिविर के माध्यम से लद्दाख के चुशुल, हानले, दुरबुक, डेमचोक, फुके, द्रास, जांस्कर, बटालिक, चुमाथांग और तुरुक जैसे दूरस्थ क्षेत्रों के 950 मरीजों को जांच की गई। यह नागरिक-सैन्य सहयोग का एक उत्कृष्ट उदाहरण रहा।

214 सर्जरी, कई जटिल प्रक्रियाएं सफल

ब्रिगेडियर डॉ. संजय कुमार मिश्रा के नेतृत्व में मेडिकल टीम ने 214 सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी कीं। इनमें 197 जटिल मोतियाबिंद ऑपरेशन और 10 विट्रियो-रेटिनल प्रक्रियाएं शामिल हैं। इसके अलावा ग्लूकोमा सर्जरी, विट्रेक्टॉमी और अन्य उन्नत प्रक्रियाएं भी की गईं, जिससे 15 दृष्टिबाधित मरीजों की आंखों की रोशनी बहाल हुई।

इस अभियान के दौरान 153 जनरल अस्पताल द्वारा विकसित 'ऑपरेशन नेत्र' ऐप भी लॉन्च किया गया। यह ऐप मरीजों के रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण, क्यूआर कोड आधारित प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पहचान और सर्जरी प्रबंधन को आसान बनाकर चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता और सुरक्षा बढ़ाता है।

देशव्यापी अभियान का हिस्सा

यह पहल नवंबर 2025 से चल रहे राष्ट्रीय अभियान का हिस्सा है, जिसके तहत अब तक 2,500 से अधिक दृष्टि बहाली सर्जरी की जा चुकी हैं। इससे पहले उधमपुर, देहरादून, जयपुर, बागडोगरा और गोरखपुर में भी ऐसे शिविर आयोजित किए जा चुके हैं।

वायु सेना का मिला सहयोग

भारतीय वायु सेना ने उन्नत चिकित्सा उपकरणों की हवाई आपूर्ति कर इस मिशन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवाएं सुनिश्चित हो सकीं।

उपराज्यपाल की मौजूदगी में समापन

शिविर का समापन विनय कुमार सक्सेना की उपस्थिति में हुआ। सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा महानिदेशक आरती सरिन के नेतृत्व में यह अभियान "राष्ट्र सर्वोपरि" की भावना और हर नागरिक तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

'हमारे फैसले सोनिया गांधी लेती हैं': खरगे

कलबुर्गी। कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का एक बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने साफ कहा है कि फिलहाल सिद्धार्थमैया ही सीएम रहेंगे। हालांकि, अपने बयान में कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा है कि हमारे फैसले सोनिया गांधी लेती हैं। उनके बयान को लेकर भाजपा ने उन्हें कटघर में लाकर खड़ा कर दिया है। यहां तक कि उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष होने तक पर सवाल खड़े कर दिए हैं। खरगे ने कहा कि मुख्यमंत्री पद में बदलाव की बात हर दिन होती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस समिति अध्यक्ष के रूप में वह, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और विपक्ष के नेता राहुल गांधी मिलकर यह निर्णय लेंगे। कांग्रेस आलाकमान प्रमुख संगठनात्मक और राजनीतिक मामलों पर निर्णय से पहले वरिष्ठ नेतृत्व से परामर्श करता है। खरगे ने कहा कि वे सामूहिक निर्णय लेने की प्रक्रिया पर जोर देते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सोनिया गांधी या राहुल गांधी की भागीदारी के बिना कोई निर्णय नहीं होता। आलाकमान के भीतर व्यापक चर्चा होती है और वरिष्ठ नेताओं से परामर्श किया जाता है। उन्होंने कहा कि अभी तक कोई तारीख तय नहीं हुई है। इसलिए किसी भी बदलाव पर अटकलें लगाना जल्दबाजी होगी। खरगे ने आगे कहा कि एक बार निर्णय लेने के बाद यह कर्नाटक के सर्वोत्तम हित में होगा। उन्होंने सभी से पार्टी नेतृत्व के अंतिम निर्णय का सम्मान करने का आग्रह किया। कांग्रेस में कांग्रेस सरकार नेतृत्व-साझाकरण व्यवस्था को लेकर आंतरिक मतभेदों का सामना कर रही है।

लद्दाख बौद्ध संस्कृति और करुणा की जीवित प्रयोगशाला : अमित शाह

■ इस भूमि पर सदियों से ज्ञान, संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराएं सुरक्षित और जीवित

लेह/ए।। लेह (लद्दाख) में बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर एक विशेष सांस्कृतिक और आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह (Amit

Shah) ने भी भाग लिया। इस मौके पर उन्होंने लद्दाख को केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि बौद्ध संस्कृति और करुणा की एक जीवित प्रयोगशाला बताया। अमित शाह ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की सभ्यता हजारों वर्षों से शांति और अहिंसा का संदेश देती आई है। उन्होंने बताया कि इस भूमि पर सदियों से

पूरे क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण और शुभ अवसर : शाह

इस वर्ष की बुद्ध पूर्णिमा को विशेष बताते हुए अमित शाह ने कहा कि लगभग 75 वर्षों के बाद पवित्र बौद्ध अवशेष (Holy Relics) लद्दाख वापस आए हैं। उन्होंने कहा कि पहले इस क्षेत्र में बेहतर सड़क और परिवहन सुविधाएं नहीं थीं, जिस कारण बहुत कम लोग इन पवित्र अवशेषों के दर्शन कर पाते थे। लेकिन अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं और अधिक लोग इसका आध्यात्मिक अनुभव ले सकेंगे। उन्होंने कहा कि इस बार वैसाख पूर्णिमा के अवसर पर जब ये पवित्र अवशेष दोबारा लद्दाख पहुंचे हैं, तो यह पूरे क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण और शुभ अवसर है।

ज्ञान, संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराएं सुरक्षित और जीवित हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि जब दलाई लामा यहां आते हैं, तो वे भी लद्दाख को बौद्ध संस्कृति और करुणा का केंद्र मानते हैं।

लद्दाख, कारगिल और अन्य क्षेत्रों के लोग इनसे आध्यात्मिक प्रेरणा प्राप्त करेंगे। अमित शाह ने यह भी कहा कि इन पवित्र अवशेषों के दर्शन से लोगों को आंतरिक शांति और दिव्यता का अनुभव होगा। उन्होंने विश्वास जताया

कि यह आयोजन बौद्ध धर्म के अनुयायियों के साथ-साथ अन्य समुदायों के लिए भी प्रेरणादायक साबित होगा। बुद्ध पूर्णिमा भगवान गौतम बुद्ध के जन्म दिवस के रूप में मनाई जाती है, जिन्हें बौद्ध धर्म का संस्थापक माना जाता है। उन्हें 'एशिया का प्रकाश' भी कहा जाता है। माना जाता है कि बुद्ध का जन्म, ज्ञान प्राप्ति और महापरिनिर्वाण तीनों एक ही तिथि को हुए थे, जो इस दिन को और भी विशेष बनाता है।

पंजाब विधानसभा: पंजाब में न्यूनतम मजदूरी में 15 फीसदी की बढ़ोतरी

चंडीगढ़। इस दौरान सीएम भगवंत मान ने पंजाब में न्यूनतम मजदूरी में 15 फीसदी की बढ़ोतरी का एलान किया। इसमें सरकारी और गैर सरकारी दोनों शामिल हैं। मान ने कहा कि यह मजदूर दिवस पर उनके लिए तोहफा है। 2013 से दो सरकारें चली गई हैं, लेकिन मजदूरी में बढ़ोतरी नहीं हुई थी। बेअदबी के खिलाफ बिल लागू होने के बाद सीएम भगवंत मान की तरफ से शुक्राना यात्रा शुरू की जाएगी। छह से लेकर 9 मई तक यह यात्रा चलेगी। सीएम पहले श्री आनंदपुर साहिब, श्री अकाल तख्त साहिब और फिर दमदमा साहिब और प्तेहगढ़ साहिब में नतमस्तक होंगे। सदन की शुरुआत पर नेता प्रतिपक्ष प्रताप बाजवा ने कहा कि नियमित

सत्र बुलाया जाना चाहिए। हर बार विशेष सत्र बुला लिया जाता है लेकिन उसका कोई नतीजा नहीं निकलता है। अब तक आठ सत्र हो चुके हैं। न तो प्रश्नकाल रखा गया है और न ही शून्यकाल दिया जा रहा है। विधायकों को बात रखने का समय नहीं मिल रहा है, क्योंकि कई मुद्दे हैं। सीएम भगवंत मान ने कहा कि विशेष सत्र पर सवाल उठाना गलत है। पिछले सत्र के दौरान बेअदबी के खिलाफ प्रस्ताव पास किया था जो राज्यपाल की मंजूरी के बाद लागू हो गया। जब कांग्रेस इस पर एतराज जाता रही थी कि राष्ट्रपति को भेजना पड़ेगा। मानसून सत्र के दौरान पूरा टाइम दोगे, जितना समय चाहिए होगा तो आपको उस विधानसभा सत्र के दौरान देंगे।

पवन खेड़ा को एससी से मिली बड़ी राहत

नई दिल्ली/ए।। सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को अग्रिम जमानत दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने असम पुलिस द्वारा दर्ज किए गए एक जालसाजी और मानहानि के मामले में उन्हें अग्रिम जमानत दे दी है। असम पुलिस ने पवन खेड़ा के खिलाफ मानहानि और जालसाजी से संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी। पवन खेड़ा ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी को निशाना बनाया था। खेड़ा ने आरोप लगाया था कि शर्मा की पत्नी के पास कई पासपोर्ट हैं और विदेशों में उनकी कई अघोषित संपत्तियां मौजूद हैं। इन्हें आरोपों और बयानों को आधार बनाते हुए असम पुलिस ने पवन खेड़ा के खिलाफ छापे खराब करने और जालसाजी का आपराधिक मुकदमा दर्ज किया था। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा कि आपराधिक कानून का इस्तेमाल राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के औजार के तौर पर नहीं होना चाहिए। पवन

खेड़ा ने गुवाहाटी उच्च न्यायालय के 24 अप्रैल के उस आदेश को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी है, जिसमें उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी। यह पूरा विवाद मुख्यमंत्री की पत्नी रिकी भुइयां शर्मा द्वारा दर्ज कराए गए मामलों से जुड़ा है, जिन्होंने खेड़ा और अन्य के विरुद्ध गुवाहाटी अपराध शाखा में भारतीय न्याय संहिता (BNS) की विभिन्न धाराओं के तहत शिकायत दर्ज कराई थी। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि जांच निष्पक्ष और बिना दबाव के जारी रहेगी। कोर्ट ने साफ किया कि

खेड़ा को इन शर्तों पर मिली है राहत

सुप्रीम कोर्ट ने जमानत के साथ सख्त शर्तें भी लगाईं जिन्हें पवन खेड़ा को मानना होगा। पहला जांच में पूरा सहयोग करना होगा और दूसरा पुलिस बुलाए तो पेश होना अनिवार्य है। खेड़ा गवाहों या साक्ष्यों से छेड़छाड़ नहीं करेंगे और बिना अदालत की अनुमति के देश नहीं छोड़ेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा गुवाहाटी का ट्रायल कोर्ट जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त शर्तें लगा सकता है।

जमानत का मतलब जांच में कोई रुकावट नहीं माना जाएगा। असम पुलिस को पूरा अधिकार है कि वह मामले की गहराई से जांच करे। साथ ही सुप्रीम कोर्ट भी कहा कि गुवाहाटी हाईकोर्ट ने आरोपी पर ही आरोप साबित करने का बोझ डाल दिया, जो कानूनन गलत है।

महाराष्ट्र दिवस पर 'मिसिंग लिंक' की हुई शुरुआत

मुंबई/ए।। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर बहुप्रतीक्षित 13.3 किलोमीटर लंबी 'मिसिंग लिंक' परियोजना का शुक्रवार को उद्घाटन किया। यह परियोजना खड़ी चढ़ाई वाले पहाड़ी दर्रे के हिस्से से बाहर-बाहर गुजरती है और इसका उद्देश्य सड़क सुरक्षा में सुधार करना एवं दोनों प्रमुख शहरों के बीच यात्रा की दूरी को कम करना है। इस परियोजना का उद्घाटन महाराष्ट्र स्थापना दिवस के अवसर पर किया गया।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने एक्सप्रेसवे के खालापुर (रायगढ़ जिला) छोरे पर 'मिसिंग लिंक' का उद्घाटन किया और इसके बाद परियोजना के लोनावला जाने वाले मार्ग पर वाहन चलाया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे वाहन में उनके पास बैठे थे।

खोपोली से कुसगांव को जोड़ता है मिसिंग लिंक

'मिसिंग लिंक' परियोजना मुंबई की ओर खोपोली को पुणे जिले में लोनावला के पास कुसगांव से जोड़ती है। इससे एक्सप्रेसवे को पूरी तरह निर्यात्रित प्रवेश वाला बनाए जाने और घाट यानी पहाड़ी दर्रे वाले हिस्से में यातायात दबाव कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है। महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम द्वारा 6,700 करोड़ रुपये की लागत से विकसित इस परियोजना में दो सुरिंगें, दो पुल और 'टाइगर वैली' पर एक केबल आधारित पुल शामिल है। यह खड़ी चढ़ाई वाले और दुर्घटना संभावित खंडाला या भोर घाट वाले हिस्से के बाहर-बाहर नया मार्ग उपलब्ध कराती है।

नई दिल्ली/ए।। सुप्रीम कोर्ट ने हेट स्पीच से जुड़े एक अहम मामले में बड़ा फैसला सुनाते हुए भाजपा नेताओं अनुराग ठाकुर और प्रवेश वर्मा को राहत दी है। अदालत ने स्पष्ट किया कि उनके खिलाफ कोई भी संज्ञेय अपराध नहीं बनता। यह फैसला 29 अप्रैल को जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने सुनाया। अदालत ने कहा कि हेट स्पीच संविधान की भाईचारे की भावना के खिलाफ है और समाज की नैतिक संरचना को कमजोर करती है। हालांकि, कोर्ट ने यह भी माना कि मौजूदा कानून इस मुद्दे से निपटने के लिए पर्याप्त हैं और नए

सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणियां

■ सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि:- प्रस्तुत सामग्री और कथित भाषणों की जांच के बाद कोई संज्ञेय अपराध नहीं बनता।

■ भाषण किसी विशेष समुदाय के खिलाफ नहीं थे। इनमें हिंसा या सार्वजनिक अशांति भड़काने का स्पष्ट तत्व नहीं पाया गया।

■ अदालत ने यह भी कहा कि हाईकोर्ट का अंतिम निष्कर्ष सही था, लेकिन उसकी तर्क प्रक्रिया (सैंक्शन के आधार पर) पूरी तरह उचित नहीं थी। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि एफआईआर दर्ज करने के लिए पहले से सरकारी अनुमति जरूरी नहीं है। ऐसी अनुमति की आवश्यकता केवल उस चरण में होती है, जब अदालत मामले का संज्ञान लेती है। यदि जांच शुरू करने से पहले ही सैंक्शन को अनिवार्य कर दिया जाए, तो इससे जांच प्रक्रिया पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है।

कानून बनाने की जरूरत नहीं है। मामला 2020 में दिल्ली के शाहीन बाग में हुए एंटी-सीए के विरोध प्रदर्शन के दौरान दिव गए कथित भाषणों से जुड़ा था। अनुराग ठाकुर ने जहां 'देश के

गहवों को...' वाली बात कही थी, वहीं प्रवेश वर्मा ने चेतावनी दी थी कि अगर शाहीन बाग के प्रदर्शनकारियों को नहीं रोका गया, तो वह आखिरकार घरो में घुसकर बलात्कार और हत्या करेंगे।

सीजन में भारत का चीनी निर्यात 7.5 से 8 लाख टन रहने का अनुमान

नई दिल्ली/ए।। भारत मौजूदा 2025-26 विपणन सत्र (अक्टूबर-सितंबर) में केवल 7.5 से 8 लाख टन चीनी का निर्यात कर सकता है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने प्रतिकूल वैश्विक मूल्य समता को इसका कारण बताया है। विश्व का दूसरा सबसे बड़ा चीनी उत्पादक देश मिलों के बीच अनुपातिक रूप से वितरित कोटा के माध्यम से निर्यात को सरकारी नियंत्रण में

रखता है। 2025-26 के लिए, खाद्य मंत्रालय ने शुरू में 15 लाख टन निर्यात की अनुमति दी, 7.5 से 8 लाख टन का अतिरिक्त कोटा खोला, जिसमें से केवल 87,587 टन को ही मंजूरी मिली। अधिकारी ने कहा, "पूरे सीजन में लगभग 7.5-8 लाख टन माल की भौतिक खेप आने की संभावना है। फिलहाल निर्यात के लिए वैश्विक कीमतों में कोई समानता नहीं है।"

रांची के 7 वर्षीय इशांक ने बनाया नया वर्ल्ड रिकॉर्ड, पाक स्ट्रेट तैरकर किया पार

नई दिल्ली/ए।। भारत में प्रतिभा की कमी नहीं है और जब ऑफबीट खेलों या फिर तैराकी जैसे हुरक की बात आती है तो इसमें पिछले कई सालों से भारतीय प्रतिभाओं ने नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। इसकी एक झलक झारखंड में देखने को मिल गई है। राज्य की राजधानी रांची के रहने वाले 7 वर्षीय मास्टर इशांक ने श्रीलंका और भारत के बीच स्थित दुर्गम पाक स्ट्रेट को तैरकर पार कर लिया और वो ऐसा करके उन्होंने दुनिया के सबसे कम उम्र के तैराक बनने का गौरव हासिल किया और नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। इशांक ने लगातार 9 घंटे और 50 मिनट की कड़ी मशकत के बाद ये उपलब्धि हासिल की है। इशांक ने 29 किमी की दूरी तय कर इतिहास रचा है। इशांक दोपहर 1 बजकर 50 मिनट में धनुषकोडी के अरिचलमुनाई पहुंचे। जैसे जैसे इशांक की रेत पर कदम रखा, वहां मौजूद पदाधिकारियों ने इशांक का स्वागत किया। इससे पहले यह रिकॉर्ड तमिलनाडु के जय जशवंत के नाम था। उन्होंने 10 वर्ष की उम्र में 28 मार्च 2019 को श्रीलंका के तलाईमन्नार से रामेश्वरम

तक 30 किमी की पाक जलडमरू मध्य की दूरी को 10 घंटे 30 मिनट में तैरकर पार किया था। इशांक की इस सफलता ने तमिलनाडु के तैराक जय जशवंत का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इससे पहले ये रिकॉर्ड 28 मार्च 2019 को 10 वर्ष की उम्र में श्रीलंका के तलाईमन्नार से रामेश्वरम तक की 30 किलोमीटर की दूरी को 10 घंटे 30 मिनट में तैरकर पार किया था। आपको बता दें कि पाक स्ट्रेट को पार करना कोई आसान काम नहीं है। ये बेहद ही दुर्गम जल क्षेत्र है जहां तैरना या इसे पार करना किसी अनुभवी तैराक के लिए भी मुश्किल काम होता है। ऐसे में इशांक का इस उपलब्धि को हासिल करना उन्हें हर मायने में तारीफ के काबिल बनाता है और भविष्य में वो इससे भी बड़े कमाल कर सकते हैं।

एयरपोर्ट से फिल्ममेकर का अवॉर्ड हुआ गायब, अथॉरिटी ने मांगी माफी

मुंबई/ए।। रूस के फिल्ममेकर पाशा तलाकिन ने इस साल बेस्ट फीचर डॉक्यूमेंट्री का अवॉर्ड जीता था। उन्हें 'मिस्टर नोबडी अगेंस्ट पुतिन' के लिए ऑस्कर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था, लेकिन हाल ही में एक अजीब और चौकाने वाली घटना हुई। जानिए क्या है पूरा मामला। रूस के फिल्ममेकर पाशा तलाकिन, जो ऑस्कर जीतने वाली डॉक्यूमेंट्री 'मिस्टर नोबडी अगेंस्ट पुतिन' के को-डायरेक्टर हैं, उन्हें न्यूयॉर्क के जेएफके एयरपोर्ट पर सिक्वोरिटी ने अवॉर्ड के साथ फ्लाइट में चढ़ने नहीं दिया। बताया गया कि सिक्वोरिटी अधिकारियों ने ऑस्कर ट्रॉफी को हथियार समझ लिया। यह ट्रॉफी करीब 3.8 किलो की होती है। तलाकिन ने कहा कि वह मार्च में

अवॉर्ड जीतने के बाद कई बार फ्लाइट में इसे साथ ले जा चुके हैं, लेकिन पहले कभी कोई समस्या नहीं हुई। उन्होंने कहा कि उन्हें समझ नहीं आया कि आखिर ऑस्कर को हथियार कैसे माना जा सकता है। एयरलाइन के एक कर्मचारी ने मदद की कोशिश भी की, लेकिन सिक्वोरिटी ने कोई भी बात मानने से इनकार कर दिया। आखिरकार, मजबूरी में तलाकिन को अपनी ट्रॉफी कागों में भेजनी पड़ी। एयरलाइन स्टाफ ने इसे बॉक्स में पैक कर भेजा, लेकिन जब इसे जर्मनी के फ्रैंकफर्ट पहुंचे, तो उनका ऑस्कर वहां नहीं मिला। फिल्म की एजीक्यूटिव प्रोड्यूसर रॉबिन हेसमेन ने बताया कि एयरलाइन के पास बॉक्स का रिकॉर्ड होने के बावजूद ट्रॉफी का पता नहीं चल पाया है। एयरलाइन ने इस मामले पर बयान जारी कर कहा कि उन्हें इस घटना का अफसोस है और वे ट्रॉफी को जल्द से जल्द ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं। बता दें कि यह फिल्म इस साल बेस्ट फीचर डॉक्यूमेंट्री का ऑस्कर जीत चुकी है, जिसे डेविड बोवैनस्टीन और तलाकिन ने मिलकर बनाया है।

